फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in>

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद – 121001

***नई सीरीज नम्बर* 350** *1/–* ***अगस्त* 2017**

संगति । बहुत खूब ।

निश्चित दो दिन । अनिश्चित तीन दिन। निश्चित दो दिन। अनिश्चित तीन दिन। निश्चित दो दिन। अनिश्चित तीन दिन।

हँसते हुये यह क्या जप रही हैं ?

आज एक मैनेजर प्रैस और पुलिस को कुछ ऐसा ही बोलते हुये दिखा।

यह इसलिये कि ये तीन हफ्ते कुछ अलग ही हैं। ऐसे लग रहा है कि विद्रोह की मानसून है।

आज ही बहस हुई एक साथी से जो निराशा में बोले जा रहा था कि हम कामगारों से कुछ नहीं होगा। एक साथ कुछ नहीं करते।

बाबा रे बाबा! यह तो अपने को अपने आप से काटने की सोच हो गई। मैं सोचते रहता हूँ कि ऐसी बातें कहीं सत्ता की वो भाषा तो नहीं है जिसे हम दोहराते रहते हैं ?

मैं बहस में उससे बोल रहा था कि अभी ही तो नोएडा में घरों में काम करने वाली 300 महिलाओं ने विद्रोह किया है। और, मारुति से भी ज्यादा डर मंत्रियों तक पहुँच गया है।

मजेदार तो यह है कि काँपते हुये घरों को हौसला देने के लिये एकदम मनु के दण्ड विधान पर पहुँच गये। न्याय, संविधान, कानूनी व्यवहार, जाँच-पड़ताल को धक्का मार कर सार्वजनिक घोषणाः ''जमानत नहीं होने देंगे।''

हा-हा! यह कोई किले नहीं, यह तो कागजी लुगदी है। पाँच हजार साल लगे मनु के दण्ड विधान को छद्म वेष देने में और एक धक्के में द्रवीभूत हो गया।

हा-हा! पर मेरा कहना यह है कि यह एक धक्का नहीं, बल्कि कई धक्के हैं। निरन्तर।

यह बहुत जरूरी है कि अपने बीच में बात करें कि एक धक्के को देख कर सोच में एक धक्का नहीं सोचें। कभी-कभी एक धक्का बहुत करीब से देखने को मिलता है और उसका पैमाना भी बड़ा हो जाता है। लेकिन वह अन्य धक्कों की गति और गूँज की संगति में दौड़ता है।

संगति। बहुत खूब । चलो। पिछले हफ्ते सउदी अरब में कन्स्ट्रक्शन वरकरों से सीखते हुये आई एम टी मानेसर में 800 वरकर ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री नहीं गये और अपने कमरों पर रहे। आराम किया, प्यार किया, कविता लिखी। दूसरे दिन भी नहीं गये। तीसरे दिन भी नहीं गये। चौथे दिन भी नहीं गये। चारों तरफ हड़बड़ी । फैक्ट्री गेट पर खड़ी पुलिस की गाड़ी कन्फ्युज्ड।

चलो। अन्ताक्षरी में अगला गाना। हाल ही में व्हाट्सएप पर अखबारों की एक सुन्दर फोटो देखे होंगे। पीली वर्दी, पीले हेल्मेट में तीन हजार कन्स्ट्रक्शन वरकर आत्म विश्वास से भरे और शान्त।

मैनेजमेन्ट के ऑफिस को तोड़ कर विश्राम में।

चलो। मैं भी टीम में। नोएडा से हूँ। नोएडा के गीत। मोबाइल फैक्ट्री। पन्द्रह हजार से ज्यादा वरकर। प्रोडक्शन में उतार-चढाव। ज्वार-भाटा की तरह। भर्ती किये। काम कराया। निकाल दिये। यह आदत बन ही रही थी कि एक विद्रोह हो गया। एक फ्लोर की मशीनें तहस-नहस। भगदड़। कम्पन जारी है।

टाइम कम है। मेरा भी गीत सुन लो जरा। ओखला का राग है गारमेन्ट फैक्ट्री से। अरजेन्ट शिपमेन्ट का तानपुरा। तबले पर डैडलाइन की ताल। लेकिन एक अद्भुत अलग धुन छिड़ी। छह बजे मशीनें बन्द कर सब बैठ गये। बैठे रहे। एक-दूसरे को करीब से देखे। अद्भुत मुस्कान सब के चेहरों पर। माहौल शान्त। हड़बड़ा कर आया चेयरमैन-एम डी। क्या बोलें ? जल्दी-जल्दी में नया ग्रेड और एरियर देने की घोषणा।

निश्चित दो दिन। अनिश्चित तीन दिन।

इन तीन हफ्तों को नजर में रख कर पिछले सात साल को सोचें।

आप कह रहे हो कि कुछ दूसरी असलियत की, बगावत की अभिव्यक्ति हो रही है। विचार करें कि उसको हम कैसे दैनिक संवाद में सजीव रखें, गति दें।

उदाहरण लो आप। गुड़गाँव में 100-150 की टोलियों में घरों में काम कर रही औरतें सोसाइटियों के गेट पर पहुँच रही हैं। रेजीडेन्ट एसोसियेशन पुलिस बुला लेती हैं। सिपाहियों को भी हँसी आ रही है।

निश्चित दो दिन। अनिश्चित तीन दिन।

कई बातें कईयों में बातचीतों में

✶ लिख कर दे गया ***मोडलामा एक्सपोर्ट*** (105,106, 200, 201, 204 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) वरकर : सुबह 9 से साँय 5½ की शिफ्ट है और उसके बाद पौने दस बजे रात तक ओवर टाइम। दो घण्टे के पैसे डबल रेट से और बाकी दो घण्टे का सिंगल दर से। पौने दस बजे ओवर टाइम शीट पर साइन हो जाता है। लेकिन मैनेजर और इनचार्ज दो घण्टे ज्यादा रोकते हैं, जबरन रात पौने बारह बजे तक रोकते हैं। लेकिन कागज पर हस्ताक्षर के बाद के समय किये काम के कोई पैसे नहीं दिये जाते। रात पौने दस बजे से पौने बारह के दौरान किये काम के 1000-2000 रुपये काट लेते हैं, खा जाते हैं। बूँदाबाँदी में समय से पहले ड्युटी जाता ***उषा*** (486-7 उद्योग विहार फेज-3, गुड़गाँव) फैक्ट्री वरकर बताने लगा कि महीने में दो दिन दो घण्टे की शॉर्ट लीव जो मजदूर अपनी जरूरत अनुसार लेते थे उसे कम्पनी अब अपनी मर्जी से देगी। और, देर होने पर जो हाफ डे का प्रावधान था उसे कम्पनी ने एक महीने से बन्द कर दिया है। वरकर उचित समय का इन्तजार कर रहे हैं...... रात ड्युटी कर लौट रहा ***स्विफ्ट सेक्युरिटी*** (रानीबाग/पीतमपुरा दिल्ली में मुख्यालय) गार्ड : कम्पनी करीब एक लाख गार्ड सप्लाई करती है, उद्योग विहार में 4-5000 हैं, क्वात्रो (119 फेज-1) में 70 गार्ड 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में वर्ष के 365 दिन ड्युटी, और ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर 12 घण्टे रोज पर गार्ड को 30-31 दिन के 12,200 रुपये। इधर जुलाई की तनखा 25 दिन की और 5 अगस्त को देने की बात कहने का कारण कम्पनी जी एस टी लागू होना बता रही है..... तभी एक महिला वरकर : जी एस टी लग गई है, तनखा बढनी चाहिये न? ***कैलाश रिबन*** (430 उद्योग विहार फेज-3) मजदूर 9 महीने से कम्पनी द्वारा पी एफ जमा नहीं करने और मैनेजर से बोलने पर कुछ नहीं होने की कहने लगे। मैनेजर से क्यों बोलते हैं के उत्तर में : और किससे कहें? फण्ड अधिकारियों को ईमेल क्यों नहीं करते? जानकारी नहीं थी...... ***ज्योति एपरेल्स*** (158 उद्योग विहार फेज-1) मजदूरों ने उन्हें ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से जबकि ज्योति एपरेल्स (159 फेज-1) में प्रतिदिन दो घण्टे ओवर टाइम के पैसे दुगुनी दर से दिये जाने की बातें की।

✶ ***गुडईयर टायर*** (मथुरा रोड़, बल्लभगढ) फैक्ट्री में 15-16 ठेकेदार कम्पनियों के जरिये मजदूर रखते हैं। जी एस ठेकेदार कम्पनी फरवरी-अन्त में छोड़ गई। उस के जरिये रखे 250 मजदूरों को मार्च की तनखा तथा ओवर टाइम के पैसे गुडईयर के एच आर विभाग ने दिये। फिर पहली अप्रैल से इन 250 को डी एस ठेकेदार कम्पनी के वरकर बना दिया। फरवरी में किये ओवर टाइम के पैसे 250 मजदूरों को नहीं दिये हैं। पुरानी ठेकेदार कम्पनी कहती है कि गुडईयर ने पैसे नहीं दिये हैं। वरकर एच आर मैनेजर से मिलते हैं तो वे कहते हैं कि मेरे से बात मत करो...... ***सेज मैटल*** (124 सैक्टर-24, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 11½-11½ घण्टे की दो शिफ्ट। गर्म काम है। माँगने पर भी दस्ताने नहीं देते। जब विजिटर आते हैं तब दस्ताने, चश्मा, मास्क देते हैं और विजिटर के जाते ही वापस ले लेते हैं। दो जगह शौचालय हैं और दोनों ही बहुत गन्दे..... ***के डी आर*** (14 सैक्टर-59, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से.... ***सुपर ऑटो*** (50 सैक्टर-6 फरीदाबाद) फैक्ट्री में 50 मजदूरों को न्यूनतम वेतन, तनखा बैंक अकाउन्ट में। चेक से 50 को और इन्हें ओवर टाइम जोड़कर न्यूनतम वेतन दिखा देते हैं। नकद देते हैं 50 को और उनकी ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। सब ने मिल कर डेढ महीने पहले फैक्ट्री में 4 घण्टे काम बन्द किया था..... ***इण्डो ब्रिटिश गारमेन्ट्स*** (23 सैक्टर-24 फरीदाबाद) फैक्ट्री जी 4 एस की है और मुख्यतः ग्रुप फोर गार्डों की वर्दी तैयार करती है। जब फैक्ट्री डी एल एफ इन्डस्ट्रीयल एस्टेट में भी तब बोनस 20 प्रतिशत था जबकि अब घाटे का बोनस, एक तनखा देते हैं। दो टी-ब्रेक, 11 तथा 3 बजे के बन्द कर दिये ..... ***लखानी अरमान*** (2 सैक्टर-5, फरीदाबाद) फैक्ट्री में अपर की पूरी कटिंग होती थी। अब काम नहीं है, 90 में से 35 वरकर निकाल दिये हैं........ ***ब्लोवेल ऑटो*** (27 सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 150 मजदूर 12 घण्टे की शिफ्ट में होण्डा और हीरो दुपहियों के हॉर्न बनाते हैं। तनखा 7000-7500 और इनमें ओवर टाइम के पैसे जोड़ कर बैंक में 8280 तनखा भेजते हैं। ओवर टाइम के बकाया पैसे तीन महीने बाद बैंक खातों में इन्सेन्टिव के तौर पर भेजते हैं........ ***हरियाणा ग्लोबल*** (5 ए नॉरदर्न इण्डिया कॉम्पलैक्स, 20/3 मथुरा रोड़, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 150 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में। अनुपस्थिति से ज्यादा ही परेशान मैनेजमेन्ट ऊल-जलूल नियम बनाई है पैसे काटने के...

✶ ***वीयरवेल*** (बी-134 ओखला फेज-1, दिल्ली) फैक्ट्री में 12 जुलाई को मजदूरों ने पौने पाँच बजे काम बन्द किया। वरकरों ने एफ-23/3 ओखला फेज-2 फैक्ट्री में काम करते एक टेलर की पे-स्लिप मैनेजर को दिखाई जिसमें तनखा नये ग्रेड अनुसार थी। मैनेजर ने नोएडा फैक्ट्री में चेयरमैन को पे-स्लिप की फोटो भेजी..... ***थॉमसन प्रेस*** (बी-315 ओखला फेज-1) में अप्रैल की तनखा नये ग्रेड अनुसार दी और 3 मार्च से एरियर भी दिया। फिर मई की तनखा पुराने ग्रेड अनुसार दी और उसमें से पहले नये ग्रेड अनुसार दिये पैसे काट लिये। कम्पनी ने जून में यह किया तब वरकर फैक्ट्री से बाहर आ गये। एक घण्टा हो गया फैक्ट्री से बाहर निकले तब मैनेजमेन्ट बोली कि नये ग्रेड अनुसार तनखा देंगे...... ***बनारसी चाँदीवाला अस्पताल*** (कालकाजी, दिल्ली) के 500 वरकरों को पुराना ग्रेड दे रहे हैं और कहते हैं कि 8 अगस्त को फैसले के बाद नया ग्रेड देंगे...... ***ऐलोर*** (ए-3 ओखला फेज-1) चश्मा बनाने वाली फैक्ट्री में हम 50 मजदूरों ने नया ग्रेड ले लिया है और 3 मार्च से एरियर के पैसे भी..... ***एयर गियर*** (22 मोदी मिल के पीछे, ओखला) फैक्ट्री में ओवर टाइम के पैसे दुगुनी दर से हैं पर ग्रेड पुराना ही है और मैनेजमेन्ट कहती है कि सरक्युलर नहीं आया है..... ***टेकसन राय*** (ई-47/6 ओखला फेज-2) फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा पुराने ग्रेड से भी कम है..... ***मार्शल सेक्युरिटी*** (कार्यालय खानपुर, दिल्ली) गार्डों से कहती है कि ई एस आई तथा पी एफ कटवाने हैं तो तनखा में से दोनों हिस्से काटेंगे.... ***ऋचा फैशन*** (एफ-23/2 ओखला फेज-2) फैक्ट्री में कभी 8½ बजे तो कभी 10½ बजे बुलाते हैं। कभी एक दिन छुट्टी तो कभी 4 दिन का ब्रेक... ***पैको इन्डस्ट्रीज*** (डी-31 ओखला फेज-1) मजदूर : बगल में डी-28 स्थित गारमेन्ट फैक्ट्री में जून में नया ग्रेड और 3 मार्च से एरियर वरकरों ने ले लिया है। पैको मैनेजमेन्ट नये ग्रेड को मना नहीं कर रही पर दे भी नहीं रही। कम्पनी कहती है कि अभी संशोधन हो रहा है.....

✶ हल्की बूँदाबाँदी में रात की ड्युटी से लौटे ***डिगानिया मेडिकल डिवाइसेज*** (251, 275 सैक्टर-6, आई एम टी मानेसर) वरकर : उत्पादन में वृद्धि पर कैजुअल वरकरों की तनखा मई में 1000 रुपये बढा कर दी लेकिन फिर जून की तनखा वही पुरानी और मैनेजमेन्ट बोली कि पैसे बढाये ही नहीं थे! दो वर्ष के लिये हैल्पर ग्रेड में काम करने वाले 250 टी आर (टीम लीज यूनिवर्सिटी ट्रेनी) की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं..... ***सीनियर फ्लेक्सोनिक्स*** (89 सैक्टर-8) फैक्ट्री में ओवर टाइम के पैसे दुगुनी दर से. ... ***मार्क एग्जास्ट*** (74 सैक्टर-3) फैक्ट्री में ओवर टाइम का भुगतान दिखाते दुगुनी दर से हैं पर देते सिंगल रेट से हैं, 40 रुपये प्रति घण्टा जबकि कम्पनी की सब फैक्ट्रियों में, आई एम टी में प्लॉट 160 सैक्टर-5 फैक्ट्री में भी मजदूर ओवर टाइम डबल रेट से लेते हैं.... ***जे एन एस*** (4 सैक्टर-3) फैक्ट्री में प्रेजेन्टी और शिफ्ट अलाउन्स की राशि पर भी ई एस आई के नाम से पैसे काटते हैं.... ***जय उशिन*** (4 सैक्टर-3) फैक्ट्री में पहली जुलाई को मैनेजमेन्ट का फतवा : लेडिज लन्च के समय ही टॉयलेट जा सकती हैं.. ... ***कुमार प्रिन्टर्स*** (24 सैक्टर-5) फैक्ट्री मैनेजमेन्ट कहती रही है : सच बोलो! इधर 1 से 5 अगस्त के दौरान कभी भी ऑडिट वाले आ सकते हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की हैं और मैनेजमेन्ट पढा रही है : झूठ बोलना! पूछें तो कहना 8-8 घण्टे की शिफ्ट हैं....... ***अल्फा मिस्ट टैक्नोलॉजी*** (194 सैक्टर-4) फैक्ट्री में जून की तनखा 1 अगस्त तक नहीं दी थी.... ***फोकसटेक एम आर एफ*** (188 सैक्टर-4) फैक्ट्री में ओवर टाइम सिंगल रेट से.......

सामुहिक कदम

✶ ***ओरियन्ट इलेक्ट्रिक*** (11 सैक्टर-6, फरीदाबाद) फैक्ट्री में फैन प्लान्ट में पेन्ट शॉप की सफाई के लिये रविवार को ओवर टाइम होता था। भुगतान दुगुनी दर से। इधर जुलाई-आरम्भ में पेन्ट शॉप मैनेजर ने सप्ताह में अलग-अलग दिन छुट्टी कर रविवार को सामान्य ड्युटी करने को कहा। दो शिफ्टों में 150 मजदूर हैं। तीन रविवार को सामान्य ड्युटी के लिये मैनेजर बुला चुका है पर पेन्ट शॉप के 150 वरकरों में से एक भी रविवार को ड्यटी करने नहीं पहुँचा। लेबर चौक से बुलाकर सफाई करवानी पड़ती है।

✶ ***ए डी विक्टोरिया गारमेन्ट्स*** (एफ-23/3 ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में सुबह साढे नो से रात 9 बजे तक रोज काम करते 300 मजदूरों ने 5 मई को साँय 6 बजे मशीनें बन्द कर दी। तनखा बैंक में भेजे जाने से पहले वरकर काम बन्द कर फैक्ट्री में बैठ गये। अरजेन्ट माल चल रहा था। चेयरमैन-एमडी तत्काल मजदूरों के बीच पहुँचे और बोले कि काम शुरू करो, पेमेन्ट नये ग्रेड अनुसार भेजेंगे। एरियर भी 3 मार्च से भेजा। ***सोनू एग्जिम*** (बी-5/3 ओखला फेज-2) फैक्ट्री के 800 मजदूर यह देख कर: जुलाई की तनखा नये ग्रेड अनुसार नहीं दी तो मिल कर कदम उठायेंगे।

✶ ***इण्डो ऑटोटेक*** (132-133 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में सुबह की शिफ्ट के 250 मजदूर 4 जुलाई को ड्युटी नहीं गये। यह वरकर अपने कमरों पर रहे। थोड़े-से नये मजदूर फैक्ट्री पहुँचे थे। ठेकेदार कम्पनियों ने कमरों पर फोन पर फोन किये। रात की शिफ्ट के 150 वरकर भी फैक्ट्री नहीं गये। कम्पनी को भारी परेशानी। नकद 700-800 रुपये दे कर मैनेजमेन्ट लेबर चौक आदि से वैल्डर और ऑपरेटर लाई। दूसरे दिन भी वरकर फैक्ट्री नहीं गये। इण्डो मैनेजमेन्ट बुलाती रही, ठेकेदार कम्पनियाँ दस दिन तक फोन कर बुलाती रही। पर वे मजदूर फैक्ट्री नहीं गये। होण्डा दुपहियों के मेन फ्रेम कम पड़े और होण्डा मैनेजमेन्ट ने 50-60 मजदूर पाँच दिन इण्डो फैक्ट्री में काम करने भेजे। मजदूरों से निपटने के लिये पुलिस की एक बस इण्डो फैक्ट्री गेट पर रही। कोई वरकर फैक्ट्री पहुँचा ही नहीं तो पुलिस बस फैक्ट्री से हट गई। अब दो-तीन महीने से ज्यादा पुराना एक भी मजदूर फैक्ट्री में नहीं है। रिजैक्शन बहुत। प्रोडक्शन कम कर दिया है — 12 घण्टे में 350-400 पीस की जगह 100-150 कर रखा है। फैक्ट्री में रोबोट बहुत हैं। जब 2013 में मजदूरों ने कदम उठाये तब कम्पनी फरीदाबाद से तीन बसों में वरकर लाती थी, खाना और रहना कम्पनी ने एक महीने तक मानेसर फैक्ट्री में किया था।

सिलसिला अंग–भंग का

✶ ***वी जी इन्डस्ट्रीज*** (31 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद) फैक्ट्री के जी पी एस प्लान्ट में पैडल वाली पावर प्रैसें हाथ से दबाने वाली बना दी हैं पर वे कभी भी फ्री हो जाती हैं और हाथ काट देती हैं। कलाई से हाथ कटा अशोक, हथेली से हाथ कटा धीरेन्द्र, तीन-तीन उँगली कटे वीरेन्द्र, राजेश, कलुआ ड्युटी कर रहे हैं पर हाथ कटने पर कम्पनी बी के शर्मा नर्सिंग होम ले जाती है और फिर अधिकतर को निकाल देती है। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की और रात की शिफ्ट में पावर प्रैसों पर ज्यादा हाथ कटते हैं। नाम क्या बतायें, फटाफट प्रायवेट में ले जाती है मैनेजमेन्ट और मजदूरों को पता भी नहीं लगता। वी जी में 9 नम्बर पावर प्रैस पर पाँच महीने पहले जिस मजदूर का नाइट शिफ्ट में हाथ कटा था उसका पता ही नहीं। दो महीने पहले 13 नम्बर पावर प्रैस पर जिस वरकर का दाहिना कटा था उसके घर-पड़ोस की बीस-पच्चीस महिलाओं ने 3 अगस्त को सुबह फैक्ट्री गेट पर हँगामा किया। इधर 26 जुलाई की रात वी जी की सहायक ***एक्युरेट प्रेसिंग*** में पावर प्रैस पर खुर्शीद के दोनों हाथ कट गये।

✶ ***श्रीराम इंजीनियर्स*** (सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनी के जरिये आकाश को हैल्पर रखा था पर ऑपरेटर का काम करवाने लगे। आकाश की 27 जुलाई को उँगली कट गई।

✶ ***जेवेरियन*** (113 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 21 जून को कमलेश का अँगूठा कट गया।

साझेदारी

✶ मजदूर समाचार की 15-16-17 हजार प्रतियाँ छापते हैं। आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है। दिल्ली के ईर्द-गिर्द के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूर समाचार की बीस हजार प्रतियाँ प्रतिमाह आवश्यक लगती हैं। बाँटने में अधिक लोगों की साझेदारी के बिना यह नहीं हो सकेगा। सहकर्मियों-पड़ोसियों-मित्रों-साथियों को देने के लिये 10-20-50 प्रतियाँ हर महीने लीजिये और मजदूर समाचार के वितरण में साझेदार बनिये।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— शुक्रवार, 1 सितम्बर को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास वीरवार, 31 अगस्त को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

— शनिवार, 2 सितम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में अगस्त में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन नम्बर : 0129-6567014

व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

✶ ***इण्डो ऑटोटेक*** (61 सैक्टर-25, फरीदाबाद) कम्पनी की यूनिट 4 में 30 जून को एक मजदूर का एक पैर पूरा कट गया। और, यूनिट 2 (261 सैक्टर-24, फरीदाबाद) में 9 जून को एक वरकर की उँगली कटी थी।

✶ ***हरिओम हाइड्रोलिक्स*** (24 बाबा हृदयराम कॉलोनी, मुजेसर, फरीदाबाद) में पावर प्रैस ऑपरेट करती शिव कुमारी की 26 जून को दो उँगली कटी।

✶ ***ओसवाल कास्टिंग*** (48-49 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद) फैक्ट्री में खराब सी एन सी मशीन पर 5 जून को एक टेम्परेरी वरकर की उँगली कटी। ई एस आई मेडिकल कॉलेज ने सर्जरी के लिये एस्कोर्ट्स फोर्टिस अस्पताल भेजा। वहाँ डॉक्टर नहीं। तब क्यू आर जी सैन्ट्रल अस्पताल भेजा जहाँ डॉक्टर ने आनाकानी की। परिजनों-पड़ोसियों संग वरकर फैक्ट्री पहुँचा। चेयरमैन की गाड़ी रोकी। कम्पनी ने अपने खर्च पर इलाज की बात की। एक मैनेजर संग वरकर डॉक्टर के पास गया। डॉक्टर ने 52 हजार रुपये खर्च बताया, मैनेजर ने कम्पनी फोन किया, मैनेजिंग डायरेक्टर ने मना कर दिया। मजदूर सहयोगियों संग मुजेसर थाने गया। एफ आई आर में चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के नाम लिखने को कहा। थानेदार ने कम्पनी को फोन किया। मैनेजमेन्ट पहुँची और समझौता किया : हर्जाने में 50 हजार रुपये नकद, एस्कोर्ट्स फोर्टिस अस्पताल में सर्जरी का खर्चा कम्पनी देगी।

✶ ***श्री भिक्षु कम्पोनेन्ट्स*** (385 सैक्टर-24, फरीदाबाद) फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे एक मजदूर की उँगली 7 अगस्त को पावर प्रैस पर कटी। फैक्ट्री में तड़फते को साथी मजदूर अस्पताल ले गये।

✶ ***जे एल ऑटो*** (14 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 7 अगस्त को एक वरकर की उँगली कटी........

नोएडा – ग्रेटर नोएडा में विद्रोहों की लड़ी

✶ दिल्ली से 50 किलोमीटर दूर । बहुमंजिला पॉश कॉलोनी 25 एकड़ में । निवास की 2700 इकायाँ । गेट-गार्ड-सी सी टी वी कैमरे । ***महागुण मोडर्न सोसाइटी।*** सैंकड़ों घरेलु कामगार महिलाओं की अगुआई में आसपास की अवैध बस्तियों से एकत्र हुई भीड़ 12 जुलाई को सुबह सवेरे जबरन महागुण मोडर्न में घुस गई । पत्थर , डण्डे , लोहे की छड़ें । दँगा । चार ट्रकों में हथियारबन्द पुलिस पहुँची ।

दो महीने से बकाया 3500 रुपये माँग रही वरकर जोहरा पर चोरी का आरोप लगा कर एक मकान मालकिन ने 11 जुलाई साँय उसे कमरे में बन्द कर दिया । रात को पति महागुण मोडर्न पहुँचा तो अन्दर नहीं है कह कर लौटा दिया । थाने से पुलिसवालों के साथ आया तब भी जोहरा सोसाइटी के अन्दर नहीं है कह कर लौटा दिये । सोसाइटी के घरों में झाडू-पौंछा लगाती , कपड़े धोती , भोजन बनाती-परोसती-बर्तन साफ करती बस्ती की महिलाओं और निर्माण कार्य आदि में लगे पुरुषों में रात को चर्चायें । सुबह 4 बजे से ही महिलायें महागुण मोडर्न के गेट के बाहर एकत्र होने लगी । भीड़ बढती गई । कोलाहल । बेहोश-सी जोहरा को सोसाइटी के अन्दर से गार्ड लाये ।

विद्रोही मजदूरों ने महागुण मोडर्न सोसाइटी के किसी निवासी को थप्पड़ तक नहीं मारा । मात्र कुछ शीशे-वीशे तोड़े थे । लेकिन पॉश कॉलोनी वाले 2700 परिवार आतंकित :

— ''डेढ घण्टे बाथरूम में बन्द रह कर बेटा , पति और मेरी जान बचाई ।''

— 13 जुलाई को घरेलु कामगारों के सोसाइटी में प्रवेश पर रोक । बहुत से निवासियों ने बाहर से भोजन मँगवाया ।

— ''इन्हें सबक सिखाना है । अगर वो एकजुट हो सकते हैं तो हम सोसाइटी वाले एकजुट क्यों नहीं हो सकते ।''

— ''एक घण्टे पहले उठी । सफाई के लिये नई टैक्नोलॉजी वाले औजार खरीदने की योजना है ।''

— ''ये गले की ऐसी हड्डी हैं जिसे न निगल सकते हैं और न उगल सकते हैं । चौकसी जरूरी है ।''

— '' वो दिखाने की कोशिश करती हैं कि उनके कोई अधिकार नहीं हैं । मुझे लगता है कि हम सोसाइटी वालों के कोई अधिकार नहीं हैं और बेचारे तो हम हैं ।''

— ''हम उनकी पूजा करते हैं क्योंकि हमारे जीवन का वो इतना महत्वपूर्ण अंग हैं । हम पहले उन्हें भोजन करवाते हैं और फिर स्वयं खाते हैं । उसे काम पर लगाने से पहले मैं उसे चाय पिलाती हूँ ।''

— ''वो हम से घृणा करती हैं । एक स्पष्ट वर्ग विभाजन है । हमारे धन के कारण वो हम से नफरत करती हैं ।''

महागुण मोडर्न का सेक्युरिटी हैड : '' सोसाइटी वाले दहशत और गुस्से में हैं । पर कितने दिन अड़े रह सकते हैं ? बिना घरेलु कामगारों के सोसाइटी वालों का गुजारा नहीं हो सकता ।''

एस पी नोएडा : '' चौंकाने वाली तेजी से सोसाइटी वाले उनके घरों में काम करने वालों के खिलाफ हो गये और झूठे आरोप लगाने लगे ।''

12 जुलाई की रात पुलिस ने 78 मजदूर गिरफ्तार किये । सोसाइटी वाले किसी के खरोंच तक नहीं आई थी फिर भी 13 वरकरों के खिलाफ हत्या का प्रयास आदि धारायें लगाई ।

और , एक केन्द्रीय मन्त्री इलाके की सोसाइटियों की महागुण मोडर्न में मीटिंग में पहुँचे। सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करते हुये मन्त्री बोले कि 13 गिरफ्तार कामगारों की जमानत नहीं होने देंगे।

● फर्श पर बैठने की बजाय घरेलु कामगार अब सोफा पर बैठने लगी हैं । मालिक-मालकिन के सामने कुर्सी पर बैठी रहती हैं । मुँह पर जवाब देने लगी है । पहेली : अमीरों को जान से क्यों नहीं मार रहे गरीब लोग ?

● ये अदृश्य मजदूर , लाखों घरेलु कामगार टाइम बम हैं........

● नाथने के लिये यूनियन : जिला अदालत में 13 गिरफ्तार के खिलाफ एफ आई आर की प्रतियों के लिये एक वकील बोली कि पुलिस को 600 रुपये रिश्वत देनी होगी । दिल्ली से पहुँची एक यूनियन बीच में पड़ी और 1000 रुपये मजदूरों से लिये पुलिस को रिश्वत देने के नाम पर......

(सामग्री न्यू यॉर्क टाइम्स में सुश्री सुहासिनि तथा एलेन , कैरावन मैगजीन में सुश्री अनुमेहा, स्क्रोल में सुश्री कल्पना, मिन्ट में श्री मनु जोजेफ की रिपोर्टों से ली है ।)

✶ ग्रेटर नोएडा में वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर स्थित ***वीवो इण्डिया*** मोबाइल फोन कम्पनी इस वर्ष आई पी एल क्रिकेट की प्रायोजक थी । और , वीवो इण्डिया ने अगले पाँच वर्ष के लिये यह पोजीशन 2,200 करोड़ रुपये में खरीदी है । कबड्डी लीग की भी वीवो प्रायोजक है ।

क्रिकेट लीग समाप्ति पर वीवो फोन की माँग कम हुई । मोबाइल फोन असेम्बल करते पन्द्रह हजार मजदूरों में ज्यादतर वरकर टेम्परेरी हैं । प्रोडक्शन लाइन वरकर की तनखा 7000 रुपये । कम्पनी नीति अनुसार मजदूर नौकरी से निकाले जाने लगे । पाँच सौ-एक हजार वरकर निकाले जा चुके थे तथा दो हजार अन्य को निकालने की चर्चा । सुबह 8 बजे ड्युटी के लिये फैक्ट्री पहुँचे 20 टेम्परेरी वरकरों को 25 जुलाई को हिसाब के लिये चाय-स्थान पर बैठने को कहा । भोजन अवकाश में 100 अन्य टेम्परेरी वरकर वहाँ पहुँच गये । अचानक मजदूरों ने विद्रोह किया । खिड़कियाँ तोड़ी । फोन असेम्बली यूनिटें तोड़ी । घबराई मैनेजमेन्ट ने पुलिस बुलाई । सेक्युरिटी कम्पनियों से और गार्ड मँगवाये । छह मजदूर गिरफ्तार और कम्पनी ने 26 जुलाई को फैक्ट्री में छुट्टी का नोटिस लगाया ।

हड़बड़ाई वीवो मैनेजमेन्ट के एक साँस में दो सुर निकले :

— हिंसा गलतफहमी के कारण हुई । निकाल नहीं रहे थे , ट्रेनिंग के लिये दूसरे स्थान पर भेज रहे थे । मजदूर ''मूव'' को ''रिमूव'' समझ बैठे ।

— उत्पादकता बनाये रखने और बढाने के लिये छँटनी करते रहना कम्पनी की नीति है ।

मजदूरों के विद्रोह से घबराई वीवो मैनेजमेन्ट चीन सरकार के दूतावास के लोगों के साथ पुलिस अधिकारियों से मिली । पुलिस द्वारा सुरक्षा का भरोसा और कम्पनी से छँटनी की पूर्व सूचना का अनुरोध ताकि मुस्तैद पुलिस 25 जुलाई की पुनरावृति रोक सके ।

✶ ग्रेटर नोएडा में 26 जुलाई को ***मैजेस्टिक ऑटो*** फैक्ट्री मैनेजमेन्ट द्वारा 8 वरकरों को निकाले जाने के खिलाफ मजदूरों ने उत्पादन बन्द कर दिया ।

✶ 29 जून को रात 8 बजे सूरजपुर स्थित ***प्रिया गोल्ड*** बिस्कुट फैक्ट्री के ढाई हजार मजदूरों ने विद्रोह किया । नियन्त्रण के लिये बीस से ज्यादा गाड़ियों में पुलिस फैक्ट्री पहुँची । अगले दिन , 30 जून को मजदूर फैक्ट्री गये ही नहीं ।

✶ मार्च 2017 में ***ओप्पो मोबाइल*** फैक्ट्री, नोएडा मजदूर उफान पर थे ।

✶ नोएडा सैक्टर-63 स्थित ***ओरियन्ट क्राफ्ट*** गारमेन्ट फैक्ट्री में 1 अक्टूबर 2016 को तीन हजार मजदूरों ने विद्रोह किया । नियन्त्रण के लिये कई थानों की पुलिस बुलानी पड़ी ।

✶ ग्रेटर नोएडा में जुलाई 2016 में ***एल जी इण्डिया*** मजदूरों द्वारा खुला विरोध....

नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में सैमसंग , लावा , इन्टैक्स, ओप्पो, वीवो आदि की 25 फैक्ट्रियों में वर्ष में 18 करोड़ मोबाइल फोन बनते हैं । क्षेत्र में मजदूरों के बढते विद्रोहों से कम्पनियाँ बेहद चिन्तित हैं । एक मोबाइल कम्पनी के इण्डिया हैड के अनुसार विद्रोहों से निपटने की रणनीति बनाने के लिये नोएडा-ग्रेटर नोएडा की प्रमुख मोबाइल निर्माता कम्पनियों द्वारा मीटिंग करने की योजना है ।

(सामग्री हिन्दुस्तान टाइम्स में श्री विनीत , बिजनेस स्टैन्डर्ड में श्री अरनब दत्ता , और टाइम्स इण्डिया में श्री शफाक आलम की रिपोर्टों से ली है ।)

हरियाणा सरकार ने 1 जुलाई से देय महँगाई भत्ते (डी ए) की घोषणा 7 अगस्त तक नहीं की थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी–551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।